



---

प्रेस विज्ञप्ति / Press Release

अक्टूबर / October 1, 2020

---

**गांधी जयंती के अवसर पर सिडबी द्वारा उषा इंटरनेशनल की साझेदारी से वाराणसी में स्वावलंबन स्कूल स्थापित करने के द्वितीय चरण का शुभारंभ**

**On Gandhi Jayanti, SIDBI in partnership with USHA International, commences second phase of setting up Swavalamban Silai Schools from Varanasi**

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), जो कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन और विकास में संलग्न प्रमुख संस्था है, ने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती मनाने के लिए उषा इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ मिलकर स्वावलंबन सिलाई स्कूल स्थापित करने के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। दूसरे चरण की शुरुआत वाराणसी, उत्तर प्रदेश से हुई है और इस साझेदारी के तहत उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के चुनिन्दा कठिनाई/आपदाग्रस्त-प्रवण/आकांक्षी जिलों में 700 स्वावलंबन सिलाई स्कूल (होमप्रेन्योर- घर पर उद्यमी) स्थापित करने की योजना है।

To mark the 150<sup>th</sup> birth anniversary of Mahatma Gandhi, Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), along with USHA International Limited, has launched the second phase of setting up Swavalamban Silai Schools. The second phase has commenced from Varanasi, Uttar Pradesh and under the partnership, the plan is to set up 700 Swavalamban Silai Schools (Homepreneurs – Entrepreneurs at home) in select districts of Uttar Pradesh, Himachal Pradesh and Uttarakhand including calamity hit-prone/hardship/aspirational districts.

सिडबी के उप प्रबंध निदेशक श्री वी. सत्य वेंकट राव ने कहा, “मुझे महात्मा गांधीजी के शब्द याद हैं, जिन्होंने बताया था कि आप स्वयं ही वह बदलाव बनें जिसे आप दुनिया में देखना चाहते हैं। सिडबी, मिशन आत्मनिर्भर भारत के लिए सतत छोटे-छोटे परिवर्तनकारी कदम उठा रहा है। स्वावलंबन सिलाई स्कूल, हमारे मिशन स्वावलंबन के तहत ही एक प्रयास है, जिसका उद्देश्य समूचे भारत में उद्यमी संस्कृति की पैठ को गहरा करना है। हमारे द्वारा उषा के साथ भागीदारी करके, प्रथम चरण में की गई 1000 स्कूलों की स्थापना से और इसी तरह दूसरे चरण से भी तैयार महिला होमपॉइंटर्स और रोल मॉडल के द्वारा हम न केवल महिलाओं को सशक्त बनाएंगे बल्कि ‘हर घर एक स्वावलंबी’ के सांस्कृतिक बदलाव को आत्मसात करने हेतु

परिवारों और समाज को भी सक्षम बनाएंगे। दूसरे चरण के अंतर्गत, सिलाई कौशल के साथ-साथ उद्यमिता और जीवन कौशल विषयक अनुभव भी प्रदान किया जाएगा।”

Shri V Satya Venkata Rao, Deputy Managing Director of SIDBI said, “I recall the words of Mahatma Gandhiji who had told that you must be the change you want to see in the World. SIDBI has been taking small change steps for mission AtmaNirbhar Bharat. Swavalamban Silai school is an endeavor under our Mission Swavalamban which aims to deepen the entrepreneurial culture, pan India. The women homepreneurs and role models from 1000 schools setup by us, in partnership with USHA in Phase I, as also those in second phase shall not only empower women but enable the families and society to assimilate cultural shift by adopting – **Har Ghar Ek Swavalambi**. Under the second phase, besides tailoring skills, exposure on entrepreneurship and life skills shall also be imparted.”

इस पहल का उद्देश्य गांवों में सिलाई पर आधारित महिलाओं के स्वामित्व वाले घरेलू स्तर के उद्यम को स्थापित करना है। यह सामाजिक पहल, सीमांत वर्गों की महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ उद्यमशीलता की संस्कृति को प्रेरित करने के उद्देश्य से की गई है। यह पहल, महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और उभरते उद्यमों बनने की शक्ति देती है।

This initiative aims at enabling setting up of sewing-based women owned home level enterprise in villages. This social initiative is aimed at empowering women from marginalised sections as also inducing entrepreneurship culture. It empowers women to be financially stronger and emerging entrepreneur.

प्रत्येक गोद लिए गए जिले में 50 होमप्रेन्यूर स्थापित करने का मिशन वाराणसी से शुरू हुआ है और अक्टूबर 2020 के दौरान यह मिशन उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती, सोनभद्र और गोरखपुर जिलों को, हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को और उत्तराखंड में पिथौरागढ़ जिले को भी समाहित कर लेगा। दूसरे चरण में इस मिशन के तहत, ग्रामीण आकांक्षी महिला होमप्रेन्यूर को डिजाइन, क्रेडिट, मार्केट (ई-कॉमर्स सहित) और कौशल से जोड़ने का प्रयास किया गया है। यह मिशन, सिडबी के मिशन स्वावलंबन और उद्यम सक्षमता चरणों के माध्यम से गाँवों को मजबूत बनाने के लिए आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय मिशन के साथ संरेखित है।

The mission of setting up 50 homepreneurs in each adopted district has started from Varanasi and during October 2020, shall also cover Sharavasti, Sonbhadhra and Gorakhpur in Uttar Pradesh, Hamirpur and Kangra in Himachal Pradesh and Pithoragarh in Uttarakhand. In the second phase, it has been endeavored to connect rural aspiring women homepreneurs to design, credit, market (including e commerce) and skill. This mission is aligned with Mission Swavalamban of SIDBI and with National Mission of AtmaNirbhar Bharat for strengthening villages through enterprise enabler steps.

उषा इंटरनेशनल लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष श्री कृष्ण श्रीराम ने कहा कि “उषा, भारत को आत्मनिर्भर बनाने की अपनी दूरदर्शी प्रतिबद्धता और एक प्रभाव बनाने के लिए अपनी प्रेरणादायी यात्रा में सिडबी के साथ साझेदारी करके प्रसन्न है। सिलाई कौशल और उद्यमशीलता की प्रेरणा से महिलाओं को सशक्त बनाना, उन्हें गृह उद्यमी बनने में मदद करता है और इससे परिवार के सदस्यों की कमाई में वृद्धि होती है, जिससे उनकी स्वयं की योग्यता में विश्वास पैदा होता है। इसमें सिडबी का समर्थन और समझ अमूल्य रहा है और अब तक, हमारे पास एक साथ 10,000 उषा स्वावलंबन सिलाई स्कूल हैं, जो पाँच

राज्यों (बिहार, राजस्थान, झारखंड, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना) के 952 गाँवों में स्थापित किए गए हैं। राष्ट्र के संस्थापक पिता के द्वारा देश के डीएनए में पहले से ही आत्मनिर्भरता निक्षेपित की हुई है, यानी गांधीजी ने इसी बात को प्रचारित किया था और देश को उसी की ओर अग्रसर किया था। हम अपने तरीके से गांधीजी के स्वतंत्र और सच्चे राष्ट्र के सपने को साकार करने के मार्ग पर चलने की कोशिश कर रहे हैं।”

Shri Krishna Shriram, Executive Chairman, Usha International Limited stated that “Usha is happy to partner with SIDBI in its inspirational journey to make India self-reliant and its visionary commitment towards making an impact. Empowering women with sewing skills and entrepreneurial inputs, helps them become homepreneurs, and earning members of the family, thereby inspiring confidence and faith in their own aptitude. SIDBI’s support and understanding has been invaluable, and so far, together we have skilled over 10,000 women via the 1000 Usha Swavalamban Silai Schools set up in 952 villages across five states (Bihar, Rajasthan, Jharkhand, Uttar Pradesh and Telangana). Self-reliance is embedded in the DNA of the country with the Nation’s Founding Father i.e. Gandhiji walking the talk and galvanizing the country into action towards the same. We are in our own way trying to walk the path emulating Gandhiji’s dream of a truly free nation.”

स्वावलंबन सिलाई स्कूल कार्यक्रम का पहला चरण सितंबर 2019 में शुरू हुआ और फरवरी 2020 में समाप्त हुआ, जिसके तहत सिडबी ने पांच राज्यों में 1000 सीमांत और ग्रामीण महिलाओं को सहायता प्रदान की है। इन 1000 गृह उद्यमियों को प्रशिक्षण-सह-सिलाई मशीनें स्थापित करने में सहायता प्रदान की गई। इनमें से 45% अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति संवर्ग से थीं और 59% महिलाएं गरीबी रेखा से नीचे की थी, जिससे मिशन की पहल में अन्तर्भूत समावेशिता का पता चलता है।

The first phase of the Swavalamban Silai School program began in September 2019 and ended in February 2020 under which SIDBI has provided support to 1000 marginalized and rural women across five states. Training-cum-sewing machines and setting up support were provided to these 1000 homepreneurs. Out of these 45% were from SC/ST segment and 59% were from Below Poverty Line segment indicating the inclusivity woven within the missionary initiative.

प्रत्येक गृह उद्यमी ने गुणक प्रभाव पैदा करते हुए कम से कम तीन अन्य महिलाओं को नामांकित किया है। वैश्विक महामारी की चुनौती का सामना करते हुए, इन गृह उद्यमियों ने लचीलापन दिखाया और ये उन कोविड-19 योद्धाओं के रूप में उभरी हैं, जो ग्रामीण आबादी के लिए मास्क (मुखावरण) की आपूर्ति करती हैं। कोविड-19 के दौरान औसतन रु 2,400 की आय से लेकर उच्चतम रु 41,000 की आय दर्ज की गई है। ये रोल मॉडल, न केवल 1000 गाँवों में अगली पीढ़ी को स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, बल्कि इससे उनकी सामाजिक स्थिति, शिक्षा और समावेशिता भी सशक्त हुई है।

Each homepreneur has enrolled at least three other women, creating a multiplier effect. Countering the pandemic challenge, these homepreneurs have demonstrated resilience and emerged as COVID-19 warriors, supplying masks for the rural populace. On an average, income is Rs. 2,400 with highest income during COVID-19 recorded at Rs. 41,000. These role models are not only motivating next generation in 1000 villages for becoming Swavalambis but also their social status, education and inclusivity is poised to be stronger.

**उषा स्वावलंबन सिलाई स्कूल कार्यक्रम के बारे में:** सिलाई स्कूल कार्यक्रम सिडबी और उषा इंटरनेशनल लिमिटेड की अखिल भारतीय समुदाय आधारित ग्रामीण पहल है। यह सामाजिक पहल भारत के गाँवों

में रहने वाले समुदायों के हाशिए के वर्गों की महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से है। सिलाई स्कूल कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उद्यमिता संस्कृति को प्रेरित करना है, साथ ही महिलाओं को सिलाई और कटाई और उद्यमिता कौशल प्रदान करके उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए आजीविका का विकल्प भी बनाना है। इसका दूसरा उद्देश्य आर्थिक सक्षमता के माध्यम से उसके परिवार और समुदाय के भीतर उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा और पहचान को बनाना है।

उषा स्वावलंबन सिलाई स्कूलों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें: <https://www.ushasilaischool.com>

**About USHA Swavalamban Silai School Program:** The Silai School program is a pan India community based rural initiative of SIDBI and Usha International Limited. This social initiative is aimed at empowering women from marginalised sections of the communities residing in the villages of India. The primary objective of the Silai School program is to induce entrepreneurship culture as also create a livelihood option for women by financially empowering them through imparting sewing and stitching and entrepreneurship skills. The secondary objective is to create a social standing and recognition within her family and community through economic enablement.

For more details on USHA Swavalamban Silai Schools, please visit: <https://www.ushasilaischool.com>

**सिडबी के बारे में :** 1990 में अपने गठन के बाद से, सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। चाहे वे पारंपरिक, छोटे घरेलू उद्यमी हों, पिरामिड के सबसे निचले स्तर के उद्यमी हों, या फिर उच्च-स्तरीय ज्ञान आधारित उद्यमी हों, सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के जीवन को विभिन्न ऋणों तथा विकास कार्यों के माध्यम से प्रभावित किया है। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संलग्नकता की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानने के लिए, देखें : <https://www.sidbi.in>

**About SIDBI:** Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: <https://www.sidbi.in>

**मीडिया संपर्क:** नीलाश्री बर्मन, मोबाइल: +91 8879760249, ई मेल: [neelasrib@sidbi.in](mailto:neelasrib@sidbi.in)

**Media contact:** Neelasri Barman, Mobile: +91 8879760249, E-mail: [neelasrib@sidbi.in](mailto:neelasrib@sidbi.in)